हिन्दी पाक्षिक

सेमन्या कण्वघाटी

RNI No.: UTTHIN/2013/54659

वर्ष-12 अंक-21 हरिद्वार, सोमवार,15 सितम्बर, 2025 मूल्य-दो रूपया मात्र पृष्ठ-8

उत्तराखंड के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने की 1200 करोड़ की आर्थिक सहायता की घोषणा

देहरादून । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 सितंबर को देहरादून का दौरा किया और उत्तराखंड के प्रभावित क्षेत्रों में बादल फटने, बारिश और भूस्खलन के कारण बाढ़ की स्थिति और नुकसान की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड में राहत और पुनर्वास कार्यों की समीक्षा और नुकसान का आकलन करने के लिए देहरादून में एक आधिकारिक बैठक की। उन्होंने उत्तराखंड के लिए 1200 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और उसके लोगों की मदद के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुनर्निर्माण, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के माध्यम से राहत प्रदान करने और पशुओं के लिए मिनी किट वितरित करने जैसे उपाय शामिल होंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना दृ ग्रामीण के अंतर्गत, ग्रामीण क्षेत्रों में घरों के पुनर्निर्माण के लिए उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत विशेष परियोजना के अंतर्गत उन पात्र परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिनके घर बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गए हैं। केंद्र सरकार ने पहले ही अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दलों को उत्तराखंड भेज दिया है, जो नुकसान का आकलन करने के लिए राज्य का दौरा करेंगे तथा उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार इस कठिन समय में राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के उन परिवारों से मुलाकात की जो हाल ही में भूस्खलन और बाढ़ सहित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने सभी पीड़ित लोगों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की और उन परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाढ़ और अन्य आपदाओं में मृतकों के निकटतम परिजनों के लिए 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की भी घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन से अनाथ हुए बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के माध्यम से सहायता मिलेगी, जिससे उनकी दीर्घकालिक देखभाल और कल्याण सुनिश्चित होगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस समय राज्यों को अग्रिम भुगतान सहित आपदा प्रबंधन अधिनियम और नियमों के अंतर्गत घोषित सहायता अंतरिम अवधि के लिए है। केंद्र सरकार राज्य के ज्ञापन और केंद्रीय टीमों की रिपोर्ट के आधार पर मूल्यांकन की आगे समीक्षा करेगी। उन्होंने तत्काल राहत और बचाव कार्य में योगदान देने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, राज्य प्रशासन और अन्य सेवा-उन्मुख संगठनों के कर्मियों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने स्थिति की गंभीरता को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि केन्द्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए सभी प्रयास करेगी।

सांसद खेल महोत्सव के लिए 20 सितंबर तक कराएं पंजीकरण : त्रिवेंद्र

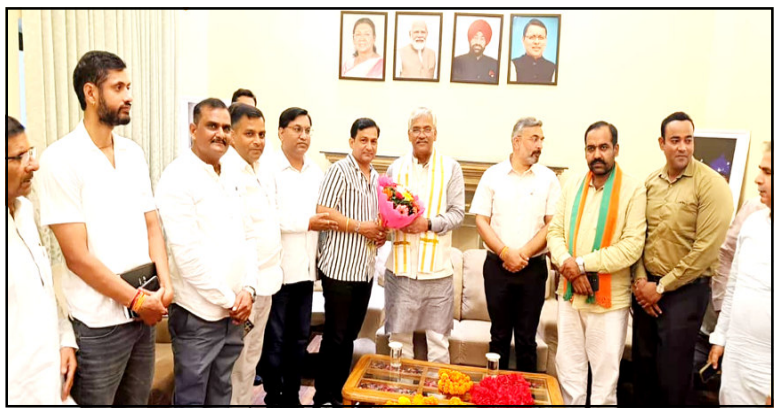

हरिद्वार (हमारे संवाददाता) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट के तहत देशभर में आयोजित होने जा रहे सांसद खेल महोत्सव की तैयारियों को लेकर रविवार को सांसद हरिद्वार त्रिवेन्द्र सिंह रावत की अध्यक्षता में बैठक हुई। सांसद रावत ने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं में ऊर्जा, अनुशासन और राष्ट्रीय चेतना जगाने का एक महाअभियान है। 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद की जयंती पर हरिद्वार से महोत्सव पंजीकरण अभियान का शुभारंभ किया गया था। उन्होंने अफसरों से कहा कि 20 सितम्बर तक हर विद्यालय और महाविद्यालय से न्यूनतम 10 प्रतिभागियों का पंजीकरण किया जाए। हरिद्वार जिले के करीब 2400 विद्यालयों से सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। महोत्सव का आयोजन 21 सितम्बर से न्याय पंचायत, विधानसभा और संसदीय स्तर पर होगा। प्रतियोगिताओं में अंडर-17 और 17 प्लस कैटेगरी के महिला व पुरुष खिलाड़ी शामिल होंगे। पंजीकरण की प्रक्रिया sansadkhelmahotsav.in पोर्टल पर 20 सितम्बर तक पूरी की जा सकती है। सांसद रावत ने अधिकारियों से कहा कि वे मौसम की स्थिति को देखते हुए वर्चुअल माध्यमों से भी छात्रों को प्रेरित करें और जन-जन तक महोत्सव का संदेश पहुंचाएं। उन्होंने कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, फुटबॉल, एथलेटिक्स, पिट्ठू व रस्साकशी जैसे स्थानीय व लोकप्रिय खेलों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। रावत ने कहा, यह महोत्सव युवाओं को शारीरिक रूप से सशक्त बनाने, टीम भावना विकसित करने और नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने का माध्यम बनेगा। यह प्रयास ओलंपिक में भारत की गौरवपूर्ण भागीदारी का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। बैठक में विधायक हरिद्वार मदन कौशिक, विधायक रानीपुर आदेश चौहान, मेयर हरिद्वार किरन जैसल,रुड़की मेयर अनिता देवी अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिद्वार आशुतोष शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष रुड़की डॉ. मधु सिंह, चारों महामंत्री, प्रदेश मंत्री श्यामवीर सैनी, परियोजना निदेशक डीआरडीए केएन तिवारी, जिला क्रीड़ा अधिकारी शबाली गुरुंग उपस्थित रहे।

हरिद्वार में युवा कांग्रेस ने निकाली बाइक रैली

हरिद्वार (संवाददाता) । युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए शहर में बाइक रैली निकाली। जिलाध्यक्ष कैश खुराना के नेतृत्व में बाइक रैली कनखल क्षेत्र के सिंहद्वार, देशरक्षक तिराहा, कनखल चौक, बंगाली मोड होते हुए वापस सिंहद्वार तक निकाली गई। इस दौरान प्रदेश प्रभारी सुरभी द्विवेदी, प्रदेश अध्यक्ष सुमितर भुल्लर भी शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश प्रभारी सुरभी द्विवेदी ने आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने देश में अराजकता का माहौल बना दिया है। जनता के पास वोट का अधिकार है, जिससे एक अच्छी सरकार बनाई जाती है, लेकन उस वोट के अधिकार को भी चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर समाप्त कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष सुमितर भुल्लर ने कहा कि भाजपा देश में अपना-अलग कानून और संविधान थोपना चाहती है, जिसे होने नहीं दिया जाएगा। विपक्ष जनता की आवाज होता है और जनता की आवाज को कोई दबा नहीं सकता। जिलाध्यक्ष कैश खुराना ने कहा कि इस अभियान से जनता को मताधिकार के प्रति जागरूक किया जा रहा है। वोट देना सभी का अधिकार है। यह अधिकार संविधान की दें है और देश संविधान से चलेगा। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष अमन गर्ग, राजबीर सिंह चौहान, अशोक शर्मा, नितिन तेश्वर, वरुण बालियान, तुषार कपिल, पार्षद सुनील कुमार, हिमांशु गुप्ता, सोहित सेठी, सुमित त्यागी, राजीव भार्गव, तरुण व्यास, दुर्गेश शर्मा, संजय कुमार, मृत्युंजय पांडे, ऋषभ वशिष्ठ, सार्थक ठाकुर, आशुतोष श्रीवास्तव, सागर बेनीवाल, जितेंद्र सिंह, संजय कुमार, सौरभ जोशी, मोहित चंचल, जितेंद्र सिंह, ऋषभ वशिष्ठ, विकास, अंश, तनु वालिया, ओम पहलवान, जतिन हांडा, मनोज सैनी आदि शामिल रहे।

सम्पादकीय

विकल्प चुनने का अधिकार

भारतीय सभ्यतामें अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबीसे पहले परीक्षा होती है। समुद्र मंथन, जहांमथने की प्रकिया से अमृत निकला था,इसी तरहहमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ।और आज, भारत को एक मृत अर्थव्यवस्था कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच-तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है। जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरागौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दरपिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक है- सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशतबढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोईमनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है।यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतरसार्वजनिक पूंजीगत व्यय वपूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजोंका सबूत है। भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशःअमेरिका और चीनसे भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्यरखा है — सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे। विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह मृत अर्थव्यवस्था की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है। उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबीसे बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जलऔर प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा,क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं किहम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं। भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रहीहै। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक हैऔर इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियनटन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है। भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारालक्ष्य2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित निषिद्ध' (नो-गो)क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी)पारदर्शी वप्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है। हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं,बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गईहै और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज़्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

जल प्रलय के सन्देश ?

तनवीर जाफ़री

भारत के पंजाब राज्य को सबसे उपजाऊ धरती के राज्यों में सर्वोपरि गिना जाता है। इसका मुख्य कारण यही है कि यह राज्य खेती के लिये सबसे ज़रूरी समझे जाने वाले कारक यानी पानी के लिये सबसे धनी राज्य है। सिंधु नदी की पांच सहायक नदियाँ सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम इसी पंजाब राज्य से होकर बहती हैं। इन पांचों नदियों में केवल व्यास ही एक ऐसी नदी है जो केवल भारत में बहती है शेष सतलुज, रावी, चिनाब और झेलम नदियाँ भारत से होते हुये पाकिस्तान में भीप्रवाहित होती हैं। यही नदियां जो पंजाब को उपजाऊ भूमि बनाने और यहाँ की संस्कृति का आधार समझी जाती हैं इन दिनों यही नदियां भारत से लेकर पाकिस्तान तक जल प्रलय का कारण बनी हुई हैं। इन नदियों के उफान पर होने का कारण जम्मू कश्मीर व हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार होने वाली तेज़ बारिश यहाँ तक कि अनेक स्थानों पर बादल फटने जैसी घटनाओं को माना जा रहा है। दरअसल पिछले कुछ दिनों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के जलागम क्षेत्रों में असामान्य रूप से भारी बारिश हुई। कई ज़िले तो ऐसे भी थे जहाँ केवल एक ही दिन में पूरे एक महीने की बारिश दर्ज की गई। जैसे केवल अमृतसर और गुरदासपुर में 150-200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज हुई। इससे शहरी जलनिकासी प्रणाली पूरी तरह फ़ेल हो गयी। दुर्भाग्यवश हमारे देश के अधिकांश राज्यों में बरसाती जल निकासी प्रणाली प्रायः फ़ेल ही रहती है। भ्रष्टाचारयुक्त निर्माण से लेकर सरकारी अम्लों की अकर्मण्यता व ग़ैर ज़िम्मेदार जनता द्वारा नाले नालियों में अवांछित वस्तुओं की डम्पिंग यहाँ तक कि मरे जानवर से लेकर रज़ाई गद्दे बोतलें प्लास्टक पॉलीथिन आदि सब कुछ नालों व नालियों में फ़ेंक देने जैसी ग़ैर ज़िम्मेदाराना प्रवृति, जल निकासी प्रणाली के फ़ेल होने में सबसे अहम भूमिका निभाती है। एक ओर तो भारी बारिश व जलभराव उसके बाद भारत के सबसे विशाल भाखड़ा नंगल डैम, पोंग डैम रणजीत सागर डैम व शाहपुर कंडी जैसे डैम्स से अतिरिक्त पानी का छोड़ा जाना भी पंजाब की बड़े हिस्से की तबाही का कारण बन गया। इन डैम्स से पानी छोड़ना भी इसलिये ज़रूरी हो गया था क्योंकि इनमें इनकी क्षमता से अधिक जलभराव हो गया था। उदाहरण के तौर पर भाखड़ा डैम का जल स्तर 1,671 फीट तक पहुँच गया था तो पोंग डैम का जलस्तर भी अधिकतम से ऊपर चला गया था। इसी के परिणाम स्वरूप राज्य की सतलुज, ब्यास और रावी नदियाँ उफान पर आ गईं थीं। भारत से पानी छोड़ने के कारण ही पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में भी बाढ़ आई, जहाँ रावी, सतलुज और चेनाब नदियाँ प्रभावित हुईं। इस स्थिति के मद्देनज़र भारत ने पहले ही मानवीय आधार पर पाकिस्तान को तीन चेतावनियाँ जारी कर दी थीं। भारतीय पंजाब के जो ज़िले इस भीषण जल प्रलय में प्रभावित हुये उनमें गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, अमृतसर, तरन तारन, फ़िरोज़पुर व फ़ज़िल्का के नाम ख़ासतौर पर उल्लेखनीय हैं जबकि लुधियाना और जालंधर में भी बढ़ का प्रभाव देखने को मिला। दर्जनों पुल टूट गये,सैकड़ों पशु बह गये अनेक वाहन तेज़ बहाव में समा गये। लाखों एकड़ फ़सल तबाह हो गयी ,तमाम मकान बह गये या क्षतिग्रस्त हो गये। दर्जनों जगह से हाईवे व मुख्य मार्ग बंद हो गये। और इस प्रलयकारी हालात से जूझने में कई जगह पंजाब का वह किसान स्वयं को असहाय महसूस करता दिखाई दिया जो हमेशा पूरी हिम्मत व हौसले के साथ दूसरों की सेवा सत्कार के लिये तत्पर दिखाई देता है। एक अनुमान के अनुसार राज्य के 500 से अधिक गांव डूबे गये इन गांवों में लगभग 6,600 से अधिक लोग फंसे थे। अमृतसर के रामदास क्षेत्र में रावी नदी का धुसी बांध टूट गया, जिससे 40 गांव डूब गए। इसी तरह गुरदासपुर में लगभग 150, कपूरथला में क़रीब 115, और अमृतसर में लगभग 100 गांव इस प्रलयकारी बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुये। गोया इस बार की बाढ़ ने कृषि-प्रधान पंजाब की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। इस बाढ़ के चलते सैकड़ों घर, 300 से अधिक स्कूल अनेक सड़कें, पुल और बिजली लाइनें आदि क्षतिग्रस्त हो गयीं । अमृतसर में गुरुद्वारा बाबा बुढ़ा साहिब डूब गया। कई जगह रेल यातायात बाधित हुआ अनेक ट्रेन्स कैंसिल कर दी गयीं। हाईवे टूटने व क्षतिग्रस्त होने के चलते **1,000** से अधिक सड़कें बंद कर गयीं । अकेले वैष्णो देवी में बारिश के चलते हुये भूस्खलन से **30** से अधिक मौतें होने की ख़बर है।

अभी तक जो अनुमान लगाया जा रहे उसके मुताबिक़ धान, गन्ना व मक्का की लगभग 1.5 लाख एकड़ फ़सल पूरी तरह डूब गई। पंजाब में लगभग 3 लाख एकड़ से अधिक भूमि जलमग्न हो गयी। इन बाढ़ग्रस्त क्षत्रों के किसानों को सितंबर-अक्टूबर में होने वाली रबी की फ़सलों में भी नुकसान की आशंका बनी हुई है। पंजाब में आई बाढ़ से हुआ अरबों रुपये का यह नुक़सान खाद्य मुद्रास्फीति को भी प्रभावित करेगा। बाढ़ और बारिश-संबंधी हादसों से भारत व पाकिस्तान में अनेक मौतें भी हुई हैं जबकि अनेक लोग लापता भी हो गए हैं। इसी तरह हज़ारों पशुओं के बह जाने, मरने,बीमार पड़ने के साथ साथ उनके चारों की भी भारी कमी दर्ज की जा रही है। इन्हीं हालात में बीमारियों का भी ख़तरा बढ़ गया है। इससे पर्यटन उद्योग भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है।आपदा के इस समय में सेना एनडीआरएफ़ व एसडीआरएफ़ द्वारा 5,000 से अधिक लोगों की जान बचाई गयी व उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। इन ऑपरेशन्स में चिनूक हेलीकॉप्टर, चीता हेलीकॉप्टर,नावें और एम्फीबियन वाहन इस्तेमाल किये गये । पंजाब और ख़ासकर पहाड़ी क्षेत्रों में होने वाली असाधारण बारिश व बादल फटने जैसी अनेक घटनाओं ने मौसम वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों को हैरत में डाल दिया है।

इन हालात के लिये जहाँ दुर्लभ परिस्थितियों में पूर्वी, दक्षिणी और पश्चिमी मौसम प्रणालियों के एक साथ आने को ज़िम्मेदार माना जा रहा है वहीं ग्लेशियर का लगातार पिघलते जाना भी बाढ़ को और अधिक भयावह बना रहा है। माना जा रहा है कि यह बाढ़ 1988 की उस भीषण बाढ़ से भी प्रलयकारी है जिसे हज़ार वर्षों में एक बार आने वाली बाढ़ की संज्ञा दी गयी थी। गोया हमें जल प्रलय के इस सन्देश को समझना होगा कि इन हालात के लिये ग्लोबल वार्मिंग के परिणामस्वरूप होने वाला जलवायु परिवर्तन ही सबसे अधिक ज़िम्मेदार है। और निश्चित रूप से विकास और इसके नाम पर पैदा किये गये ग्लोबल वार्मिंग के यह हालात पूरी तरह मानवजनित हैं।

मुख्य सचिव ने कुंभ मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया

हरिद्वार । 2027 कुंभ मेले को दिव्य एवं भव्य ढंग से आयोजित करने के लिए किए जाने वाले निर्माण कार्यों का मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने आज कुंभ मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्य सचिव द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टिगत जिन घाटों पर रेलिंग नहीं लगाई गई है उन घाटों पर संबंधित अधिकारियों को रेलिंग लगाने के दिए निर्देश। मुख्य सचिव द्वारा गौरी शंकर द्वीप, नमामि गंगे चंडी घाट, मोक्ष घाट, बैरागी कैंप, दक्ष द्वीप, पंतद्वीप, हरकी पौड़ी से मालवीय द्वीप होते हुए सीसीआर मेला कंट्रोल रूम का स्थलीय निरीक्षण किया। 2027 के कुंभ को दिव्य एवं भव्य ढंग से आयोजित करने के उद्देश्य से तथा आने वाले श्रद्धालुओं को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं किए जाने वाले निर्माण कार्यों का आज मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने मेला क्षेत्र का स्थलीय किया,निरीक्षण के दौरान मेला अधिकारी सोनिका,जिलाधिकारी मयूर दीक्षित,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल, उपाध्यक्ष एचआरडीए अंशुल सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्य सचिव एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा नजीबाबाद हाईवे पर गौरी पार्किंग स्थल में मल्टी मॉडल हब बनाये जाने हेतु कार्य का निरीक्षण, चण्डी देवी मन्दिर तक रोपवे का निर्माण हेतु स्थलीय निरीक्षण, दिव्य प्रेम मिशन आश्रम के समीप नीलधारा में कल्चरल हब के निर्माण की योजना कार्य का निरीक्षण,नमामि: गंगे घाट नीलधारा में लेजर शो हेतु स्थिल निर्माण की योजना का निरीक्षण, बैरागी कैम्प क्षेत्र में विभिन्न अखाड़ों एवं धार्मिक संस्थाओं के कैम्पिंग की योजना का निरीक्षण, बैरागी कैम्प क्षेत्र, दक्षद्वीप क्षेत्र में मायापुर स्कैप चौनल के दोनो 15 और नये घाटों के निर्माण कार्य की योजना का निरीक्षण, आईरीस सेतु से श्री यंत्र मन्दिर होते हुए मातृ सदन तक मार्ग के सुदृढ़ीकरण योजना का एवं उक्त मार्ग के मध्य 700 से 800 मी0 की कच्ची सड़क को पक्की सड़क बनाने जाने की योजना कार्य का निरीक्षण, नक्षत्र वाटिका के समीप कनखल ऐरिया कैनाल फ्रन्ट डेवलपमेन्ट योजना जिसके अन्तर्गत नक्षत्र वाटिका के पास पार्किंग ऐरिया, लैण्ड स्कैपिंग, पैदल स्थाई पुल चौड़ाई 7.0 मी0 (01 पुल दक्ष मन्दिर को जोडने हेतु एवं 01 पुल बैरागी क्षेत्र से सतीघाट को जोड़ने हेतु) कार्य का निरीक्षण, शमशान घाट कनखल के सामने 01 नग अतिरिक्त स्थाई सेतु के निर्माण कार्य का निरीक्षण,आनन्दमयी पुलिया से जान्ह्वी डेल होटल तक सिल्टइजैक्टर के ऊपर सड़क निर्माण की योजना कार्य का निरीक्षण,आनन्दमयी पुलिया से झंडा चौक कनखल है होते दक्ष मन्दिर मार्ग का निरीक्षण एवं झंडा चौक कनखल के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण,भीमगोड़ा स्थित खड़खड़ी शमशान घाट को चमगाद्ध टापू से जोड़ने हेतु स्थाई सेतु निर्माण कार्य का निरीक्षण एवं हरकी पैड़ी क्षेत्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने मेलाधिकारी, जिलाधिकारी एवं संबंधित कार्यदाई संस्थाओ के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता है कि 2027 का कुंभ दिव्य एवं भव्य ढंग से आयोजित किया जाए। इसमें जिस स्तर से जो भी स्थाई एवं अस्थाई निर्माण कार्य एवं घाटों का विस्तारीकरण आदि कार्य किए जाने है, उन कार्यों को दिसंबर 2026 तक पूर्ण कर लिए जाए तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टिगत जिन घाटों पर रेलिंग लगाई जानी है उन घाटों पर प्राथमिकता से रेलिंग का कार्य किया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है कि जो कार्य किए जाने है उन कार्य को तत्परता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किए जाएं । जनपद आगमन पर मेलाधिकारी सोनिका, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने पुष्प गुच्छ भेंट कर मुख्य सचिव का स्वागत किया। मेलाधिकारी सोनिका एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने मुख्य सचिव को आश्वस्त किया है कि उनके द्वारा जो भी दिशा निर्देश दिए गए उनका संबंधित अधिकारियों से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान प्रमुख अभियंता सिंचाई सुभाष चंद पांडे, मुख्य अभियंता सिंचाई चंद्र शेखर सिंह, डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, सचिव एचआरडीए मनीष सिंह, उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, एसपी क्राइम जितेंद्र मेहरा, एसपी सिटी पंकज गैरोला, सिटी मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान, अधीक्षण अभियंता लोनिवि डीके सिंह, अभियंता सिंचाई ओमजी गुप्ता, अधिशासी अभियंता लोनिवि दीपक कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

प्रेमी ने लोहे की रॉड मारकर लिव पार्टनर की हत्या की

हरिद्वार । हरिद्वार की शिवलोक कॉलोनी से सटे भभूतावाला बाग में जिला अस्पताल में तैनात ड्राइवर ने अपनी लिव इन पार्टनर की लोहे की रॉड मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने रानीपुर कोतवाली पहुंचकर सरेंडर कर दिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मृतका की पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मुकेश पुजारी जिला अस्पताल में चतुर्थश्रेणी कर्मचारी है और वह सरकारी वाहन चलाता है। करीब 11 साल से वह 34 वर्षीय पिंकी के साथ लिव इन में रह रहा है। पिंकी भभूतावाला बाग स्थित मकान में रहती है और पास ही उसका ब्यूटी पार्लर है। दोनों की आठ साल की एक बेटी भी है। जबकि, मुकेश की पत्नी भी है। जिससे उसके दो बेटे हैं। गुरुवार देर रात मुकेश पिंकी के ब्यूटी पार्लर पहुंचा। इस दौरान दोनों के बीच विवाद हुआ तो मुकेश ने लोहे की रॉड मारकर उसकी हत्या कर दी। शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे मुकेश ने इसकी सूचना अपने भाई को दी। इसके बाद मुकेश अपने भाई के साथ रानीपुर कोतवाली पहुंचा और सरेंडर कर दिया। इसके बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि मुकेश पिंकी पर किसी अन्य से संबंध होने का संदेह करता था। इसी शक को लेकर गुरुवार रात को उनका विवाद हुआ और मुकेश ने उसकी हत्या कर दी। मुकेश ने दी थी पिंकी को मारने की धमकी एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि आरोपी मुकेश पुजारी ने पहले भी पिंकी को जान से मारने की धमकी दी थी। पिंकी के पिता प्रदीप चटर्जी ने पुलिस को बताया कि मुकेश कुमार उसकी बेटी के साथ अक्सर मारपीट करता था और हत्यार करने की धमकी देता था। जिससे वह परेशान चल रही थी। इसकी जानकारी पिंकी ने उन्हें दी थी।

राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल के जर्जर भवन का एक हिस्सा भर भराकर गिरा

रुड़की (संवाददाता) । राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल भवन का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया है। हालांकि, जो हिस्सा गिरा है। उसका इस्तेमाल नहीं हो रहा था, लेकिन इस हिस्से के गिरने से अब अस्पताल भवन पर खतरा बढ़ गया है। पूरा भवन ही जर्जर हो चुका है। ऐसे में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। पुरानी तहसील में पुलिस चौकी के बराबर में राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल है। अस्पताल का भवन ब्रिटिशकाल का बना हुआ है। भवन बेहद पुराना होने की वजह से जर्जर हो चुका है। जर्जर भवन के कारण कुछ ही हिस्से में अब अस्पताल संचालित हो रहा है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से लगातार अस्पताल के नए भवन की मांग की जा रही है। भवन के जर्जर होने की वजह से अस्पताल के आवासीय भवन गिर चुके है। अस्पताल भवन पार्क वाली साइड एक बड़ा हिस्सा और गिर गया है। हालांकि, इस हिस्से में अस्पताल संचालित नहीं था। जिसके कारण कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। इससे पहले पुलिस चौकी की ओर वाला एक हिस्सा गिर गया था। अस्पताल भवन के हिस्से भरभराकर गिर रहे है। जिससे अब अस्पताल भवन के उस हिस्से पर भी खतरा मंडरा रहा है। जिसमें अस्पताल की ओपीडी, डिस्पेंसरी और वार्ड आदि संचालित है। पूरा भवन बारिश में टपकता है। अस्पताल स्टाफ की ओर से लगातार नए भवन की मांग की जा रही है। अस्पताल के आसपास निवास करने वाले सुधीर कुमार, राकेश कुमार, दिलीप, रोशन आदि का कहना है कि अस्पताल का भवन बेहद जर्जर हो चुका है। कभी यह भवन भरभराकर गिर सकता है। जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। जिम्मेदार इस पर ध्यान नहीं दे रहे है। अस्पताल के जर्जर होने की वजह से यहां मरीज भी कम ही आते हैं।

अस्पताल भवन का जो हिस्सा गिरा है। वह अस्पताल के इस्तेमाल में नहीं था। अस्पताल अभी रुड़की अस्पताल के नाम पर दर्ज है। आयुर्वेदिक अस्पताल के नाम पर भवन को दर्ज कराने का प्रयास किया जा रहा है। आयुर्वेदिक अस्पताल के नाम पर भवन दर्ज होने पर निदेशालय की ओर से नए भवन के लिए बजट जारी कर दिया जाएगा। विधायक प्रदीप बत्रा ने भी अस्पताल के इस भवन को आयुर्वेदिक अस्पताल के नाम पर दर्ज कराए जाने के लिए नगर निगम में प्रस्ताव दिया था। - डॉ. प्रदीप कुमार, प्रभारी, राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल, रुड़की(आरएनएस)।

जिस भवन में राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल संचालित है। वह भवन रुड़की सिविल अस्पतताल के नाम पर दर्ज है। आयुर्वेदिक अस्पताल की ओर से भवन को नाम कराए जाने के लिए पत्र दिया गया था। शासन स्तर से ही यह कार्य हो सकता है। आयुर्वेदिक अस्पताल की ओर से जो पत्र दिया गया है। उसे शासन को भेज दिया गया है। शासन स्तर से ही इस पर निर्णय लिया जाना है। - डॉ. एके मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सिविल अस्पताल रुड़की।

डीएम दीक्षित ने राइंकॉ सलेमपुर महदूद का औचक निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

हरिद्वार (संवाददाता) । जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने आज राजकीय इंटर कॉलेज सलेमपुर महदूद का औचक निरीक्षण कर शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कॉलेज में अध्ययनरत छात्र छात्राओं की जानकारी के साथ ही आज उपस्थित हुए छात्र छात्राओं की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को निर्देशित करते हुए कहा कि छात्र छात्राओं की शिक्षा की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं होनी चाहिए,सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं बच्चों के उज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए कड़ी मेहनत एवं परिश्रम से पठन पाठन का कार्य कराया जाए,इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने संचालित हो रही क्लास रूमों का भी निरीक्षण कर छात्राओं से उन्हें पढ़ाए जा रहे पाठ्य क्रम के बारे में भी प्रश्न पूछे गए।जिलाधिकारी ने सभी छात्र छात्राओं से पढ़ाई पर विशेष ध्यान रखने तथा लग्न एवं कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत एवं परिश्रम से ही लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी छात्र छात्राओं के बीच बैठकर मिड डे मिल भोजन की गुणवत्ता को भी परखा तथा छात्र छात्राओं से उपलब्ध कराए जा रहे मिड डे मिल की गुणवत्ता की भी जानकारी ली। उन्होंने प्रधानाचार्य एवं भोजन माताओ को निर्देश दिए है कि बच्चों के खाने की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं होनी चाहिए इसका विशेष ध्यान रखा जाए साथ ही निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही छात्र छात्राओं को भोजन उपलब्ध कराया जाए,उन्होंने भोजन बनाते समय साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि क्लास रूमों के बाहर संचालित क्लास रूमों की पट्टी नहीं लगाई गई है जिसके लिए उन्होंने प्रधानाचार्य को सभी क्लास रूमों में पट्टी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए ही कि कॉलेज के कक्षा कक्षों का जो भी मरम्मत कार्य किया जाना है एवं फर्नीचर की अवश्यकता है तो उसके लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। कॉलेज एवं छात्र छात्राओं की सुरक्षा के लिए जिलाधिकारी ने चार दिवारी बनाए जाने हेतु 2 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृती भी प्रधान की गई। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए है कि छात्र छात्राओं के शौचालय में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए एवं जिन शौचालय में मरम्मत कार्य किया जाना है उन शौचालय के मरम्मत कार्य करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कॉलेज की पानी की टंकियों को भी साफ रखने के निर्देश दिए जिससे कि छात्र छात्राओं को पीने के लिए स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र द्विवेदी ने कॉलेज में अध्ययनरत छात्र छात्राओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई, उन्होंने अवगत कराया कि कॉलेज में कुल अध्ययनरत छात्रों की संख्या 911 है जिसमें छात्रों की संख्या 398 तथा छात्राओं की संख्या 513 है।

देहरादून सिटी में स्थापित 13 आधुनिक लांग रेंज इमरजेंसी सायरन का मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन

-पुलिस थाना, चौकियों में एक साथ बजेंगे लांग रेंज इमरजेंसी सायरन, पैनिक की नहीं कोई बात
-सीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा, डीएम ने कार्यक्रम स्थलों पर तैयारियों का लिया जायजा

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को सायं 6:00 बजे डालनवाला थाने से आपातकालीन परिस्थितियों के लिए जिला प्रशासन द्वारा देहरादून सिटी में विभिन्न स्थानों पर लगाए गए 13 आधुनिक लांग रेंज इमरजेंसी सायरन का उद्घाटन करेंगे। वहीं सांय 6:30 बजे घंटाघर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्मार्ट सिटी के अंतर्गत देहरादून घंटाघर सौंदर्यीकरण और देहरादून क्लेक्ट्रेट, कोरोनेशन अस्पताल, गुच्चुपानी व आईएसबीटी में स्थापित 04 आधुनिक हिलांस कैंटीन के साथ ही बाल भिक्षावृत्ति निवारण अंतर्गत बच्चों को भिक्षा से शिक्षा में प्रवेश कार्यो का लोकार्पण भी करेंगे।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर देहरादून जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। जिलाधिकारी सविन बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने शुक्रवार को डालनवाला थाना और घंटाघर दोनों स्थानों पर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

उन्होंने अधिकारियों को समय से सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि देहरादून में आपातकालीन परिस्थितियों के लिए प्रथम चरण में 13 आधुनिक लांग रेंज इमरजेंसी सायरन लगाए गए हैं, जिनका उद्देश्य नागरिकों को तुरंत चेतावनी देना है। इन सायरनों को पुलिस चौकियों में स्थापित किया गया है और ये विभिन्न स्थानों पर 8 से 16 किलोमीटर तक की दूरी तक आवाज पहुंचा सकते हैं। इनका मुख्य काम आपदा की स्थिति में लोगों को सचेत करना है, ताकि वे सुरक्षित स्थानों पर जा सकें। मुख्यमंत्री शनिवार की सायं 6:15 बजे डालनवाला थाने में आयोजित कार्यक्रम में रिमोट कंट्रोल से इन सभी 13 आधुनिक लांग रेंज सायरन का एक साथ उद्घाटन करेंगे। इस दौरान देहरादून सिटी के सभी स्थानों पर एक साथ सायरन की तीखी आवाज सुनाई देगी।

सायरन की आवाज से लोगों में पैनिक न हो इसके लिए लोगों को पहले ही इसकी जानकारी दी गई है। उन्होंने बताया कि देहरादून सिटी में पहले चरण में 04 स्थानों पर थाना ऋषिकेश, प्रेमनगर, क्लेमेंटाउन और रायपुर में 16 किलोमीटर रेंज के सायरन लगाए गए है।

जबकि थाना डालनवाला, पल्टन बाजार, राजपुर, पटेल नगर, नेहरू कॉलोनी, कैंट, वसंत विहार, पुलिस चौकी बिन्दाल और पुलिस लाइन रेसकोर्स में 08 किलोमीटर रेंज के 09 सायरन लगाए गए है। जिलाधिकारी ने कहा कि दूसरे चरण में विकासनगर, डोईवाला, ऋषिकेश, चकराता एवं अन्य सिटी क्षेत्रों में भी आधुनिक लांग रेंज सायरन लगाने की योजना है। जिलाधिकारी ने कहा कि शनिवार को सायं 6:30 बजे दूसरा कार्यक्रम घंटाघर में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री स्मार्ट सिटी के अंतर्गत देहरादून घंटाघर के सौंदर्यीकरण कार्यों और देहरादून क्लेक्ट्रेट, कोरोनेशन अस्पताल, गुच्चुपानी व आईएसबीटी में स्थापित 04 आधुनिक हिलांस कैंटीन के साथ ही बाल भिक्षावृत्ति निवारण अंतर्गत बच्चों को भिक्षा से शिक्षा में प्रवेश कार्यो का लोकार्पण करेंगे। देहरादून की धड़कन, ऐतिहासिक घंटाघर को जिला प्रशासन द्वारा स्मार्ट सिटी के अंतर्गत इसकी पारंपरिक शैली को बनाए रखते हुए घंटाघर के आसपास बगीचे, रंगीन फव्वारे और हाई बीम लाइटिंग लगाई गई है। जिससे ऐतिहासिक घंटाघर शहर की एक प्रमुख धरोहर के रूप में और भी आकर्षक दिखने लगा है। जिलाधिकारी ने कहा कि नागरिकों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन द्वारा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से देहरादून क्लेक्ट्रेट, कोरोनेशन अस्पताल, गुच्चुपानी व आईएसबीटी में आधुनिक हिलांस कैंटीन संचालित जा रही है। जिससे कई लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि इन आउटलेट में हैंडीक्राफ्ट सामान के साथ ही पहाड़ी उत्पाद और मिलेड व्यंजन उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे लोगों के बीच अच्छी खासी डिमांड देखने को मिल रही और स्वयं सहायता समूहों सहित कई लोगों को अच्छा स्वरोजगार ेटो-05 ई-रेडियो मोबाइल एप का लोकार्पण करते सीएम।

नकली दवा रैकेट में किंगपिन दंपति गिरफ्तार

देहरादून । सेलाकुई में ब्रांडेड कंपनियों के नाम की नकली दवा बनाने वाले रैकेट के किंगपिन दंपति को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया। कोरोना काल के दौरान नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन की बनाकर बेचे थे। दोनों को गुरुवार को पंजाब के जीरकपुर से गिरफ्तार कर दून लाया गया। यहां पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट से दंपति को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। गैंग में पांच दवा फैक्ट्रियों के मालिक, सप्लायर, दवा रैपर प्रिंट करने में शामिल कुल 12 आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेज दिए गए हैं। अब पुलिस जांच कर रही है कि नकली दवाएं बनाने में कोई और फैक्ट्री तो शामिल नहीं थी। एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर बताया कि बीते एक जून को सेलाकुई इंडस्ट्रीयल एरिया से ब्रांडेड कंपनी के निकली दवा रैपर व नकली आउटर बॉक्स, लेबल और क्यूआर कोड के साथ आरोपी संतोष कुमार को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में जांच भी एसटीएफ को ट्रांसफर कर दी गई। जांच के दौरान रैकेट का संचालन कर रहे नवीन बंसल समेत 10 आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए। इनमें पांच दवा फैक्ट्री संचालक हैं। जांच में पता लगा कि नवीन बंसल के साथ वर्ष 2023 से इस रैकेट का संचालन प्रदीप कुमार और उसकी पत्नी श्रुति डावर निवासी सेक्टर 13/17 पानीपत, हरियाणा कर रहे थे। यह दोनों अपने पतों से फरार हो गए। प्रदीप कुमार ने अपनी पत्नी श्रुति डावर के नाम से एक फर्म साईं फार्मा खोली गई थी। प्रदीप कुमार और नवीन बंसल मिलकर ब्रांडेड दवाओं के नकली आउटर बॉक्स देहरादून सेलाकुई में संतोष कुमार से बनवाते थे। उसे वी ट्रांस ट्रांसपोर्ट सेलाकुई से भिवाड़ी, राजस्थान मंगवाते। दवाओं को पैक कराने के लिए ब्रांडेड मेडिसिन कंपनी नाम के एल्यूमिनियम फॉयल बद्दी हिमाचल प्रदेश के विजय कुमार पाण्डेय की फर्म एवी फायल से बनवाते थे। इनमें पैक करने के लिए दवाएं भी देहरादून सेलाकुई और हरिद्वार जिला स्थित फैक्ट्री में बनवाई जाती। दवाओं की टेबलेट भी भिवाड़ी मंगवाकर वहां बिल्सटर मशीन की मदद से पैक करते।

जीएसटी की दरों में बदलाव का सीएम धामी ने किया स्वागत, बोले-पीएम मोदी जो कहते हैं, वो करते हैं

देहरादून । मोदी सरकार ने दिपावली से पहले आम आदमी को बड़ी राहत दी है। जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में जीएसटी स्लैब को कम किया है। जीएसटी स्लैब कम होने से तमाम समानों पर लगने वाला टैक्स का रेट कम हो जाएगा। नया जीएसटी स्लैब 22 सितंबर से लागू होगा। मोदी सरकार के इस फैसले का उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और पूर्व वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने स्वागत किया हैं। जीएसटी स्लैब में किए गए बदलाव पर सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं वो करते हैं। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किला से ये कहा था कि दीपावली से पहले लोगों के जीवन को और अच्छा बनाने के लिए उपहार देंगे। जिसके तहत योजनाए लाएंगे और जीएसटी स्लैब ने बदलाव करेंगे। सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों, मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए करीब 175 से अधिक उत्पादों के जीएसटी स्लैब में बदलाव किया है। कई उत्पादों को जीएसटी फ्री भी कर दिया है, जो किसानों, मध्यम वर्गीय परिवारों और छात्रों को काफी राहत पहुंचाने वाला है। इसका लाभ दशहरे से पहले यानी 22 सितंबर से ही देशवासियों को मिलना शुरू हो जाएगा। इस पहल से न सिर्फ देश आगे बढ़ेगा बल्कि हर वर्ग के लोगों को उत्थान का अवसर मिलेगा। उत्तराखंड के पूर्व वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी काउंसिल ने जीएसटी स्लैब को कम करते हुए दो स्लैब को रखा है। जिसके तहत अब जीएसटी के दायरे में आने वाले उत्पादों पर 5 फीसदी और 18 फीसदी का जीएसटी लगेगी। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से लिया गया यह निर्णय न सिर्फ ऐतिहासिक फैसला है, बल्कि जनता को राहत देने वाला फैसला है। इस निर्णय से एमएसएमई को फायदा होने के साथ ही रोजगार के अवसर पर बढ़ेंगे। व्यक्तिगत जीवन बीमा पर पहले 18 परसेंट का जीएसटी लगता था, उसे जीएसटी मुक्त कर दिया गया है। इसके अलावा छात्रों से संबंधित तमाम प्रोडक्ट्स पर पहले जीएसटी 12 प्रतिशत लगता था, जिसे 0 प्रतिशत कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने जीएसटी स्लैब को दो स्तरों में बांटा है, जिसके तहत उत्पादों पर 5 फीसदी और 18 फीसदी का टैक्स लगेगा। इसके साथ ही तमाम वस्तुओं को जीएसटी फ्री भी कर दिया गया है। भारत सरकार के इस निर्णय के बाद देश के किसानों, गरीबों और मध्यम वर्गीय के परिवारों को काफी अधिक सहूलियत मिलेगी। क्योंकि केंद्र सरकार ने 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों की दवाएं, कैंसर की दवाएं, स्वास्थ्य पॉलिसी, व्यक्तिगत जीवन बीमा, मानचित्र, चार्ट, ग्लोब, पेंसिल, शार्पनर, क्रेयॉन, पेस्टल, अभ्यास पुस्तिकाएं, नोटबुक, रबड़, दूध, छेना या पनीर, पहले से पैक और लेबल वाला, पिज्जा ब्रेड, खाखरा, चपाती या रोटी को जीएसटी फ्री स्लैब में रखा है।

उत्तराखंड में 2100 बेसिक शिक्षकों की भर्ती होगी

देहरादून । शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने दावा किया कि राज्य में 2100 बेसिक शिक्षकों की जल्द नई भर्ती की जाएगी। इसके अलावा एलटी, प्रवक्ता, बीआरसी-सीआरसी के साथ ही माध्यमिक स्कूलों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती होगी। इनमें कुछ पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही नियुक्ति भी दे दी जाएगी। शैलेश मटियानी पुरस्कार समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत में शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने कहा कि हम हर प्राइमरी स्कूल में दो-दो शिक्षक देने जा रहे हैं। इसके लिए 2100 शिक्षकों की जल्द भर्ती शुरू कर दी जाएगी। इसमें एनआईओएस से डीएलएड करने वाले भी शामिल हो पाएंगे। उन्होंने कहा कि एलटी के 1500 पदों पर भी भर्ती की जानी है। इसके अलावा बीआरसी और सीआरसी के 1500 पदों पर चयन की प्रक्रिया चल रही है, नियुक्त मिलने ही बीआरसी और सीआरसी में तैनात शिक्षक भी अपने मूल विद्यालयों में लौट आएंगे। माध्यमिक स्कूलों में प्रवक्ता के 825 पदों पर भर्ती का अधियाचन आयोग को भेजा जा चुका है। साथ ही माध्यमिक स्कूलों में खाली पड़े 2500 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती के लिए टेंडर हो चुके हैं। आउटसोर्स के माध्यम से यह भर्ती की जा रही है। अंतरिम प्रमोशन को हाईकोर्ट जाएंगे शिक्षकों के आंदोलन को लेकर शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने कहा कि 2815 एलटी शिक्षकों को प्रवक्ता और 830 हेडमास्टर के पदों पर अंतरिम प्रमोशन देने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए सरकार कोर्ट में अपील करने जा रही है। आपदा प्रभावित गांव में लगा रहे स्वास्थ्य शिविर मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने कहा कि आपदा प्रभावित गांवों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधा के लिए अस्पताल नहीं आना पड़ेगा। स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रभावित गांव में जा रही है। अब तक 68 गांव में कैंप लग चुके हैं। बाकी आठ गांव में भी इस हफ्ते कैंप लगा देंगे। 17 सितंबर से दो अक्तूबर तक पूरे राज्य में पांच हजार स्वास्थ्य कैंप लगाने जा रहे हैं और 25 लाख लोगों तक इन कैंप की पहुंच होगी। ढाई सौ रक्तदान शिविर में लगेंगे। 55 डॉक्टरों की सेवा समाप्त होगी मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने कहा कि अभी तक 234 डॉक्टरों की सेवा खत्म कर दी गई है, जो लंबे समय से गैरहाजिर चल रहे थे। ऐसे ही 55 और डॉक्टरों की सेवा आज खत्म कर दी जाएगी।

नेपाल: एक बार फिर लोक की सर्वोच्चता सिद्ध

आखिरकार जाना पड़ा भ्रष्ट एवं काहिल सरकार को

डॉ घनश्याम बादल

आखिरकार वही हुआ जिसकी आशंका थी। जेन जी के कार्यकर्ताओं के आगे लाठी, गोली,प्रतिबंध और सरकार की ताकत सब ध्वस्त हो गई।और अंतत सरकार को जाना पड़ा । नेपाल सरकार का पतन तो तब ही शुरू हो गया था जब तीन मंत्रियों ने इस्तीफे दे दिए थे फिर आरएसपी के 21 सांसदों ने भी अपने इस्तीफे राष्ट्रपति को भेजे लेकिन सुदन गुरुंग के एवं जी ओ 'हामी नेपाल' के कार्यकर्ता संतुष्ट नहीं हुए । आखिरकार सोशल मीडिया से बैन हटा लिया गया लेकिन तब भी बात नहीं बनी। फिर के पी शर्मा ओली ने इस्तीफा दिया और उनके साथ ही वहां के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने भी कुर्सी छोड़ दी अब नेपाल में अव्यवस्था आगजनी लूटपाट और हिंसा का राज भारत का सबसे निकट पड़ोसी और दुनिया के गिने - चुने हिंदू राष्ट्रों में से एक नेपाल संकट में है । वहां की के पी शर्मा ओली सरकार के खिलाफ युवा जेन जी के कार्यकर्ता सड़कों पर हैं । काठमांडू और वीरगंज में ही नहीं अपितु देश के दूसरे शहरों में भी हालात लगातार बिगड़ रहे हैं और अब तक मिले अपडेट के अनुसार 20 लोग मारे गए हैं।

अभी कुछ दिनों पहले ही ओली सरकार ने नेपाल में सोशल मीडिया मंचों को चलाने वाली कंपनियों को अपना रजिस्ट्रेशन एक हफ्ते के अंदर करने के लिए कहा था । साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया था कि वह नेपाल के कानून का पूरी तरह पालन करें लेकिन टिकटोक जैसी एक दो कंपनियों को छोड़कर किसी ने भी उनके इस निर्देश का पालन नहीं किया जिसके चलते हुए उन्होंने फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम ,यूट्यूब और एक्स जैसे सोशल मीडिया मंचों पर रोक लगा दी थी । पहले से ही बेरोजगारी भ्रष्टाचार एवं महंगाई की वज़ह से गुस्से में तना बैठा युवा इससे और भी उखड़ गया और आज सुबह से ही वह नेपाल की सड़कों पर उतर गया। जेनरेशन जी के इन कार्यकर्ताओं का गुस्सा केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगाने मात्र तक सीमित नहीं है बल्कि वह देश में लगातार बढ़ रही बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, भूमि सुधार कानून एवं सत्ता में बैठे हुए व्यक्तियों द्वारा अपने व्यक्तिगत तथा पारिवारिक लाभों के लिए सत्ता का अनुचित इस्तेमाल करना भी उनके एजेंडे में शामिल है । उनका मुख्य आरोप है कि नेपाल की वर्तमान सरकार युवाओं को रोजगार देने की दिशा में गंभीर नहीं है। यदि नेपाल के रोजगार के आंकड़े उठाकर देखें तो 1995-96 में वहां पर रोजगार प्राप्त करने लायक जनसंख्या का 67% रोजगार पाया हुआ था जबकि 30 वर्षों में यह प्रतिशत घटकर केवल 30% पर आ गया है ऐसे में रोजी-रोटी के संकट का सामना कर रही युवा पीढ़ी का आक्रोशित होना स्वाभाविक है । साथ ही साथ इस संगठन और दूसरे युवाओं का यह भी आरोप है कि नेपाल में क्षेत्र विशेष में ही विकास के कार्य किए जाते हैं जबकि करनाली, डॉल्पा और हुमल जैसे क्षेत्र आज भी उपेक्षित हैं। नेपाल लंबे समय से अस्थिर सरकारों के दौर से गुजर रहा है 2008 में राजशाही परिवार की हत्या के बाद से ही वहां राजनीतिक स्थिरता नहीं आ पाई है और 17साल के अंतराल में वहां 15 सरकारें एवं प्रधानमंत्री बदले हैं । वर्तमान सरकार भी गठबंधन की सरकार थी उसमें नेपाली कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यू एम एल) मुख्य दल थे। जिम आपसी वैचारिक द्वंद लगातार चल रहा था। चुनाव में बेमेल गठबंधन करके 15 जुलाई 2024 को ही के पी शर्मा चौथी बार सत्ता में लौटे थे ।

एक और सरकार की अंदरूनी कलह तो दूसरी ओर विपक्ष के नेता पुष्प कमल दहल प्रचंड भी लगातार वहां की सरकार को चुनौती देते रहे थे। इन सब के चलते नेपाल में सुशासन जैसी व्यवस्था लागू नहीं हो पाई जिसके चलते हुए वहां का युवा सरकार के खिलाफ खड़े होने पर मजबूर हुआ । सरकारों की काहिली और राजनीतिक स्वार्थ पूर्ति के चलते हुए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में समय-समय पर इस तरह के विद्रोह पहले भी होते आए हैं । चीन का थियेन आन मन चौक कांड अभी तक भी लोग नहीं भूले होंगे । इसी तरह अरब देशों में 2010 से 2012 के बीच अरब स्प्रिंग के नाम से ऐसा ही आंदोलन शुरू हुआ था और इस आंदोलन के चलते हुए वहां की ट्यूनीशिया की सरकार को हटना पड़ा था और मिस्र में भी हुस्नी मुबारक को सत्ता गंवानी पड़ी थी । जबकि संघर्ष के चलते हुए लीबिया और सीरिया आज तक भी गृहयुद्ध झेल रहे हैं । 2013 में तुर्की में गीजी पार्क आंदोलन खड़ा हुआ लेकिन उसे कठोरता पूर्वक दबा दिया गया जबकि 2019 - 2020 में हांगकांग विरोध आंदोलन को भी चीन ने बर्बरता पूर्वक कुचल दिया । 2018-19 में सूडान में भी युवा आक्रोशित हुए और वहां की अल बशीर सरकार का पतन हुआ जबकि बेलारूस में 2020 में चुनावी धुंधली के खिलाफ विपक्ष सड़कों पर उतरा लेकिन वहां उसका दमन कर दिया गया। इसी तरह भारत में भी किसान आंदोलन के आगे सरकार को झुककर कृषि कानून वापस लेने पड़े थे। बांग्लादेश और श्रीलंका की तरह एशिया में नेपाल तीसरा देश हो गया है जहां युवाओं के हिंसक आंदोलन के बाद सरकार को दक तख्तापलट का सामना करना पड़ा है

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि सरकारों के ख़िलाफ़ लोग खड़े क्यों होते हैं ? सामान्यत: आम आदमी आंदोलन या विद्रोह से बचता है लेकिन जब पानी सर के ऊपर आ जाता है तो फिर वह सड़कों पर उतर जाता है और देश के हालात बद से बदतर होते चले जाते हैं और नेपाल में यह सामने ही है। समय का तकाज़ा है कि सरकारें सत्ता में आने के बाद भी जन भावनाओं का ख़्याल रखें। विकास में ईमानदारी रखें और रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराएं जिससे आम आदमी संतुष्ट हो । साथ ही साथ भ्रष्टाचार एवं रिश्वतखोरी तथा दल, वर्ग, जाति, मज़हब या धर्म की राजनीति से यथा संभव बचा जाए अन्यथा स्थिति में दुनिया भर में ऐसे आंदोलन होते रहेंगे । भले ही नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन की बात शुरू हो गई है लेकिन अभी नहीं कह सकते कि नेपाल के हालात आने वाले दिनों में कैसे होंगे । यहां बात केवल नेपाल के अंदरूनी हालातों की नहीं है अपितु इनका असर भारत पर भी पड़ता है इसलिए भारत की सरकार को भी सतर्क होकर हालात पर न केवल निगाह रखनी चाहिए अपितु नेपाल में भारतीयों के हितों एवं सुरक्षा की भी बात करनी होगी और हर संभव प्रयास करना होगा ताकि नेपाल में लोकतंत्र बचा रहे । और भारत से रूठा हुआ नेपाल फिर से उसकी ओर लौट कर समृद्धि की राह पर चल सके।

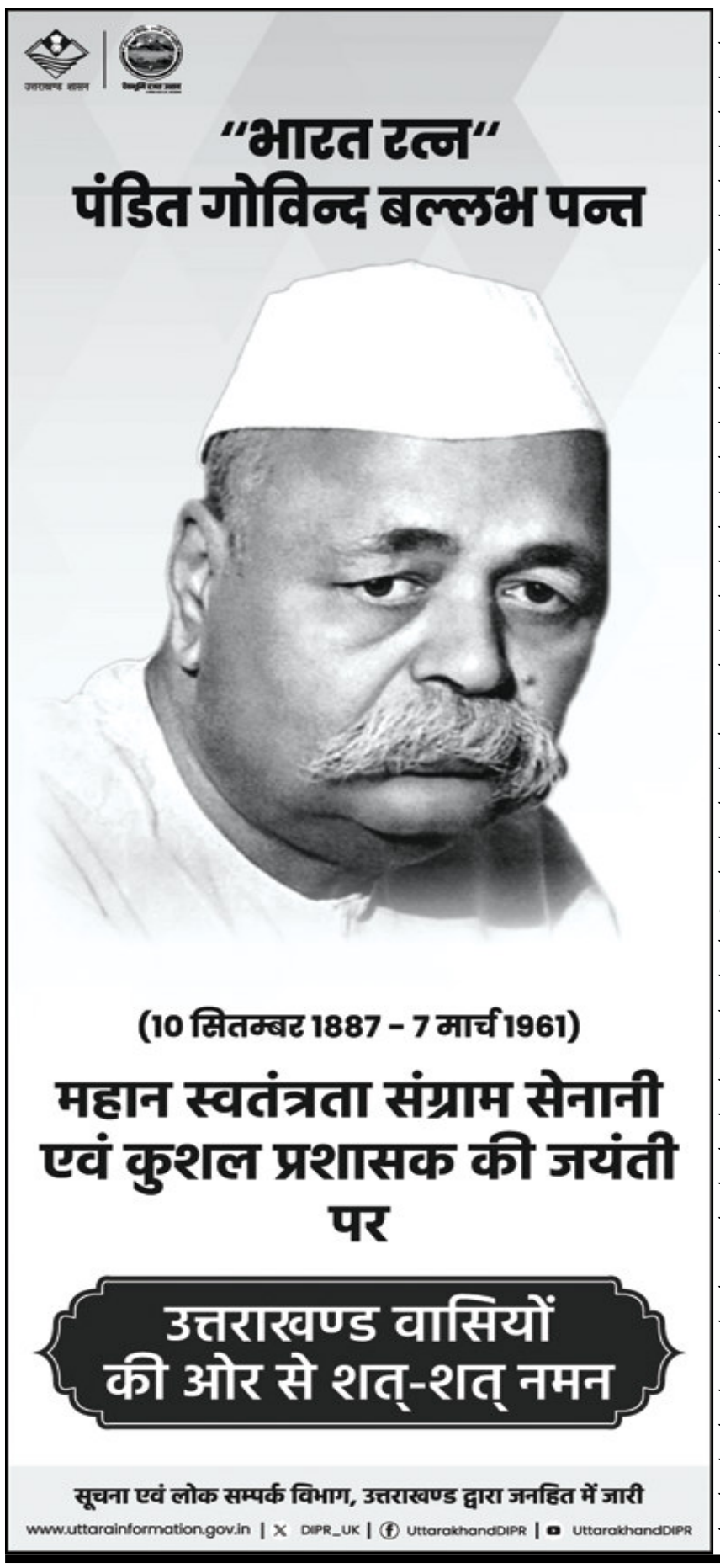

सोनी राजदान और सबा आजाद की सान्स आफ पैराडाइज का ऐलान

प्राइम वीडियो के फिल्म सान्स आफ पैराडाइज के प्रीमियर की घोषणा को हो गई है. यह फिल्म पद्मश्री पुरस्कार विजेता राज बेगम की खास कहानी और सफर पर आधारित है. एक्सेल एंटरटेनमेंट के प्रेजेंटेशन में और एप्पल ट्री पिक्चर्स प्रोडक्शन और रेनजू फिल्म्स प्रोडक्शन के प्रोडक्शन में बनी यह कहानी संगीत, हिम्मत और कश्मीर की पहली मशहूर प्लेबैक सिंगर की मजबूत भावना को दिखाती है, जिन्होंने न सिर्फ वहां की महिलाओं को प्रेरित किया बल्कि इंडस्ट्री में एक नई दिशा भी दी.

डायरेक्टर दानिश रेनजू द्वारा निर्देशित और उनके साथ निरंजन अयंगर और सुनयना काचरू द्वारा लिखित, सान्स आफ पैराडाइज में शानदार कास्ट है, जिसमें सबा आज़ाद और सोनी राज़दान मुख्य भूमिका में नूर बेगम के रूप में दो अलग-अलग समयों में नजर आएंगी, साथ ही ज़ैन खान दुर्रानी, शीबा चड्ढा, तारुक रैना और लिलेट दुबे भी हैं. घाटी की खूबसूरत पृष्ठभूमि के साथ यह फिल्म हिम्मत, पहचान और साहस को दिखाती है. सान्स आफ पैराडाइज भारत और 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर प्रीमियर पहुँचा रहे हैं.. मनीष मेंघानी, डायरेक्टर और हेड आफ कंटेंट लाइसेंसिंग, प्राइम वीडियो, इंडिया ने कहा, प्राइम वीडियो में, हम ऐसी कहानियों में विश्वास रखते हैं जो मनोरंजन करें, प्रेरित करें और हमारे दर्शकों से गहरा जुड़ाव बनाएं. उन्होंने आगे कहा, सान्स आफ पैराडाइज एक नई और भावनात्मक कहानी पेश करती है, जो कश्मीर के समृद्ध संगीत परंपरा पर आधारित है और हिम्मत और स्वतंत्रता की कम जानी-पहचानी सच्ची कहानी दिखाती है, जिसमें शानदार अभिनय और विरासत है. हमें खुशी है कि हम इस दिल छू लेने वाली कहानी को एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ अपनी साझेदारी के जरिए 200 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में दर्शकों तक पहुँचा रहे हैं.

एक्सेल एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी ने कहा, सान्स आफ पैराडाइज एक ऐसी कहानी है जो कश्मीर की संस्कृति, भावनाओं और उम्मीदों को दिखाती है. यह फिल्म पद्म श्री विजेता नूर बेगम के जीवन के पों को खूबसूरती से खोलती है, जिनकी आवाज ने न केवल कश्मीर को गर्व महसूस कराया बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित किया. हमें दानिश रेनजू के साथ मिलकर इस खास और दमदार कहानी को प्राइम वीडियो के साथ मिलकर पेश करने की खुशी है. प्राइम वीडियो हमारा सच्चा साथी है, जो हमारे विजन को शेयर करता है और हमें इस कहानी को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करता है.

फिल्म के डायरेक्टर और राइटर दानिश रेनजू ने कहा, फिल्म सान्स आफ पैराडाइज, पद्म श्री विजेता राज बेगम को एक दिल से दी गई श्रद्धांजलि है. वह रेडियो कश्मीर की पहली महिला आवाज़ थीं.

यह फिल्म उनकी संगीत, विरासत और हिम्मत से प्रेरित एक भावुक कहानी बताती है, खासकर उस समय की जब समाज ने महिलाओं को भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से बांध रखा था. यह एक ऐसी महिला की कहानी है जिसने सपने देखने की हिम्मत की, जबकि उस समय सपने देखना भी एक तरह से मना था.

सबा आज़ाद और सोनी राज़दान ने इस खास कहानी में मुख्य किरदार को दो अलग-अलग उम्र में बहुत खूबसूरती से निभाया है। इनके साथ-साथ और भी कई कलाकारों ने बेहतरीन काम किया है. प्राइम वीडियो की वजह से अब दुनिया भर के दर्शक उनकी कहानी देख पाएंगे, एक ऐसी कहानी जो सम्मान की हकदार है.

हर्षवर्धन राणे-सोनम बाजवा की एक दीवाने की दीवानियत का नया पोस्टर जारी

सनम तेरी कसम फेम एक्टर हर्षवर्धन राणे अब एक और लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। अनाउंसमेंट के बाद से ही उनकी आगामी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत को लेकर फैंस उत्साहित हैं। अब फिल्म एक्टर ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट साझा किया है। साथ ही फिल्म के टीजर को लेकर भी जानकारी दी है।

हर्षवर्धन राणे ने अपने इंस्टाग्राम पर आज फिल्म से जुड़ा एक नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में आग लगी हुई है, जो दिल के आकार में नजर आ रही है। इस जलते हुए दिल के अंदर फिल्म के लीड एक्टर हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा नजर आ रहे हैं। पोस्टर में सोनम बाजवा गुस्से में नजर आ रही हैं, जबकि हर्षवर्धन राणे की आंखों से आंसू बह रहे हैं। इस पोस्टर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट और टीजर के सामने आने की तारीख भी मेकर्स ने जारी कर दी है। पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, इस दीवाली दीये ही नहीं, दिल भी जलेंगे। मोहब्बत से टकरायेगी नफरत, आग लगाएगी दीवानों की दीवानियत। इसके साथ ही मेकर्स ने बता दिया है कि एक दीवाने की दीवानियत इस साल दीवाली पर 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज डेट सामने आते ही ये भी साफ हो गया है कि हर्षवर्धन राणे की टक्कर बाक्स आफिस पर आयुष्मान खुराना के साथ होगी। दरअसल, दीवाली पर ही दिनेश विजन के हारर-कामेडी यूनिवर्स की फिल्म थामा भी रिलीज होने वाली है। ऐसे में अब एक दीवाने की दीवानियत का मुकाबला बाक्स आफिस पर थामा से होने वाला है। हाल ही में थामा का टीजर सामने आया है, जिसे काफी पसंद किया गया है और दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं।

वहीं हर्षवर्धन राणे की फैन फालोइंग और सनम तेरी कसम के बाद उनकी ये अगली रोमांटिक फिल्म है। इसलिए इस फिल्म को लेकर भी लोगों में उत्साह है। ऐसे में संभव है कि इस दीवाली एक रोमांचक बाक्स आफिस क्लैश देखने को मिल सकता है।

रिलीज डेट सामने आते ही ये भी साफ हो गया है कि हर्षवर्धन राणे की टक्कर बाक्स आफिस पर आयुष्मान खुराना के साथ होगी। दरअसल, दीवाली पर ही दिनेश विजन के हारर-कामेडी यूनिवर्स की फिल्म थामा भी रिलीज होने वाली है। ऐसे में अब एक दीवाने की दीवानियत का मुकाबला बाक्स आफिस पर थामा से होने वाला है। हाल ही में थामा का टीजर सामने आया है, जिसे काफी पसंद किया गया है और दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। वहीं हर्षवर्धन राणे की फैन फालोइंग और सनम तेरी कसम के बाद उनकी ये अगली रोमांटिक फिल्म है। इसलिए इस फिल्म को लेकर भी लोगों में उत्साह है। ऐसे में संभव है कि इस दीवाली एक रोमांचक बाक्स आफिस क्लैश देखने को मिल सकता है।

बाक्स आफिस पर रजनीकांत की कुली ने सातवें दिन की औसत कमाई, 230 करोड़ रुपये की ओर कारोबार

साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली को 14 अगस्त को ऋतिक रोशन की वार 2 के साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। दोनों ही फिल्मों की शुरुआत शानदार रही, लेकिन अब कामकाजी दिनों इनका कारोबार घटता जा रहा है। हालांकि, कुली कमाई के मामले में वार 2 से आगे है। बाक्स आफिस पर कुली का कारोबार तेजी से 230 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रहा है। आइए जानें इस फिल्म ने सातवें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बाक्स आफिस का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, कुली ने रिलीज के सातवें दिन 6.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

मैं जल्दबाजी में नहीं, बस सही प्रोजेक्ट चुनना चाहती हूं : सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 16 साल की उम्र से की थी। उनका कहना है कि वह सिर्फ व्यस्त रहने या फिर कैलेंडर भरने के लिए काम नहीं करना चाहती बल्कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहती हैं जो उनको दिल से खुशी दें। अभिनेत्री का मानना है कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहिए, जो आपको सच में दिल से या रचनात्मक रूप से संतुष्ट करें। अभिनेत्री ने कहा, मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। इन सालों में मैंने यही सीखा है कि कई प्रोजेक्ट्स पर काम करने से ज्यादा जरूरी है, कि सही प्रोजेक्ट्स पर काम करें। मैं सिर्फ व्यस्त रहने के लिए काम नहीं करना चाहती हैं।

वह कहती हैं, इस समय मैं उन कहानियों पर काम करना चाहती हूं जो मुझे करने में सच में अच्छी लगें, ऐसे किरदार जो मुझे सच में चुनौती दें, और मेरे अंदर के एक कलाकार को अच्छे से निखारें। सई का मानना है कि प्रोजेक्ट्स में खुद को निखारने, अपनी कला को आजमाने और कुछ अनोखा करने की आजादी मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा, जब आप जुनून के साथ काम करते हैं, तो उसका असर आपके काम पर नजर आने लगता है। मैं जल्दबाजी में कोई भी गलत फैसला नहीं लेना चाहती, इसलिए सही मौके का इंतजार कर रही हूं। अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2012 में मराठी फिल्म काक्षपर्श में खुशी दामले के छोटे से किरदार से की थी। 2019 में उन्होंने सलमान खान के साथ हिंदी एक्शन-कामेडी दबंग 3 में खुशी चौटाला के किरदार से मुख्य अभिनेत्री के रूप में शुरुआत की थी। फिर, साल 2020 में वह आयुष शर्मा के साथ गाने मंझा के म्यूजिक वीडियो में नजर आईं थीं।

2022 में उन्होंने वरुण तेज के साथ तेलुगु फिल्म घनी से तेलुगु सिनेमा में कदम रखा, हालांकि यह फिल्म व्यावसायिक रूप से असफल रही। उसी साल, उन्होंने तेलुगु-हिंदी द्विभाषी बायोपिक मेजर में संदीप उीकृष्णन की प्रेमिका ईशा अग्रवाल का किरदार निभाया। हाल ही में वह गुरु रंधावा के साथ कुछ खट्टा हो जाए में दिखीं।

कपड़े पर लगे पसीने के दाग को छुड़ाने के लिए अपनाएं ये तरीके

गर्मियों के दौरान पसीना आना सामान्य बात है, लेकिन इसके दाग कपड़ों पर रह जाने बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। खासकर, अगर आप हल्के रंग का आउटफिट पहनते हैं तो इस पर पसीने का पीला दाग दिखाई देने लगता है। वहीं, शर्ट की कॉलर पर पसीने का भूरे रंग का दाग लग जाता है। हालांकि, ऐसे में आप परेशान न होएं क्योंकि कुछ आसान तरीके अपनाकर आप पसीने के दाग कपड़ों से हटा सकते हैं।

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड आएगा काम

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का इस्तेमाल करके आप बहुत आसानी से कपड़े पर लगे पसीने के दाग साफ कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक से दो चम्मच हाइड्रोजन पेरॉक्साइड के साथ एक चम्मच नींबू रस का अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को कपड़े की दाग से प्रभावित जगह पर लगाकर पांच से सात मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद कपड़े को सामान्य तरीके से धोकर सुखा दें।

सफेद सिरका भी है प्रभावी

कपड़े से पसीने के दाग साफ करने के लिए सफेद सिरके का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले डिटर्जेंट पाउडर में सफेद सिरका मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं, फिर इसे कपड़े की दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद दाग को ब्रश से रगड़कर पानी से धो दें। अगर दाग हल्का हो गया है तो इस प्रक्रिया को दो से तीन बार दोहराएं।

अमोनिया का घोल है असरदार

अगर आपके किसी कपड़े पर पसीने के दाग लग गए हैं तो इन्हें अच्छे से छुड़ाने के लिए आप अमोनिया के घोल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले अमोनिया के घोल को किसी बोतल में डालकर दाग वाली जगह पर छिड़के, फिर कपड़े को साफ पानी से धो लें।

इसके बाद कपड़े को सामान्य तरीके से धोकर हवा में सुखाएं। बता दें कि मार्केट से आपको सही दाम में अमोनिया का घोल आसानी से मिल जाएगा।

लिक्विड डिटर्जेंट की लें मदद

अगर आपके किसी कपड़े पर पसीने का दाग लग गया है तो उसे तुरंत साफ करने की कोशिश करें। कपड़े पर दाग लगने के तुरंत बाद उसे गुनगुने पानी में भिगो दें, फिर कपड़े को पानी से निकालकर इस पर लिक्विड डिटर्जेंट लगाकर 5-10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद एक सॉफ्ट ब्रश की मदद से दाग को रगड़कर कपड़े को साफ पानी से धो लें। यकीनन इससे दाग जल्द ही साफ हो जाएगा।

रसोई गैस पर गिरी महंगाई की मार, इन 5 उपायों से चलेगी लम्बे समय तक

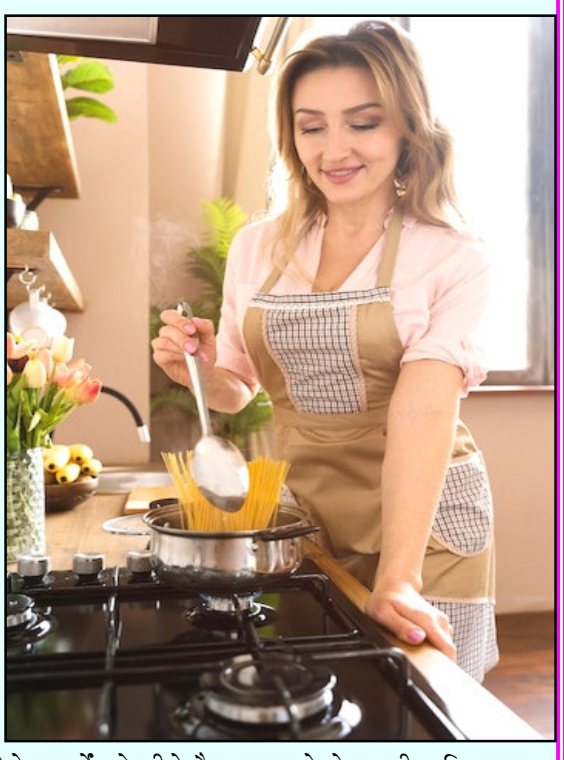

महिलाएं ज्यादातर समय किचन में ही गुजारती है। इसलिए उनका ज्यादातर ध्यान चीजों को बचाने या कम खर्च करने की ओर ही रहता है, जोकि होना भी चाहिए। बात अगर संसाधनों की करें तो तेल, पेट्रोल, रसोई गैस, जैसी चीजों का सही इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। रसोई गैस के दाम दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं। इसलिए इसकी बचत करना बहुत जरूरी हो गया हैं। सरकार की और से भी इसकी बचत के लिए समय समय पर जागरूक किया जाता है। हम आपको ऐसे ही कुछ आसान से टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप गैस की बचत आसानी से कर सकते हैं।

– खाना बनाने से पहले सारी सामग्री को तैयार कर लें। उसके बाद ही भोजन पकाना शुरू करें। इसके अलावा बर्तन या तवे को गर्म करते समय ही गैस को फुल मोड पर रखें और उसके बाद स्लो कर दें। क्योंकि खाना पकाने के लिए उतनी उष्मा नहीं चाहिए जितनी बर्तन गर्म करने के लिए चाहिए होती है।

– हमेशा खाने के बनाते समय गैस को मध्य आंच पर रखें। इसके अलावा फ्रिंज या बाजार से लाएं ठंडे प्रदाथों को कुछ देर पहले रख दें ताकि उसका तापमान सही हो जाएं। ऐसे पदार्थों को सीधे गैस पर रखने से इसकी अधिक खपत होती है।

– हमेशा खाने के बनाते समय गैय को मध्य आंच पर रखें। इसके अलावा फ्रिंज या बाजार से लाएं ठंडे प्रदाथों को कुछ देर पहले रख दें ताकि उसका तापमान सही हो जाएं। ऐसे पदार्थों को सीधे गैस पर रखने से इसकी अधिक खपत होती है।

– मैटल के बने बर्तन जैसे स्टेनलैस स्टील में खाना बनाने से भी गैस कम खर्च होती है। धातु या मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाने से बचे। यह अधिक गैस खर्च करते हैं।

–भोजन पकाते समय कड़ाही सा पैन की बजाए प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करें।

डैंड्रफ से छुटकारा दिला सकता है नींबू, ऐसे करें इस्तेमाल

अगर आपको डैंड्रफ की समस्या है और कई एंटी-डैंड्रफ हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के बावजूद आपको इस समस्या से राहत नहीं मिल रही हैं तो इनकी जगह नींबू का इस्तेमाल करें। नींबू में एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो डैंड्रफ से छुटकारा दिलाकर स्कैल्प को स्वस्थ बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि नींबू का किन-किन तरीकों से इस्तेमाल करके डैंड्रफ से छुटकारा मिल सकता है।

सिर पर लगाएं सेब के सिरके और नींबू का मिश्रण

सेब का सिरका और नींबू का मिश्रण काफी प्रभावी ढंग से डैंड्रफ की समस्या को दूर कर सकता है। इसके लिए पहले एक कटोरी में दो बड़ी चम्मच नींबू का रस और चार बड़ी चम्मच सेब का सिरका अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को कॉटन बॉल की मदद से अपने सिर पर लगाकर 20-25 मिनट तक मसाज करें। इसके बाद अपने सिर को माइल्ड शैंपू और पानी से धोकर साफ करें।

अंडे और नींबू का हेयर मास्क बनाकर करें इस्तेमाल

अगर आप डैंड्रफ की समस्या से बहुत परेशान है तो इसे दूर करने में अंडे और नींबू का हेयर मास्क काफी मदद कर सकता है। इसके लिए एक कटोरी में बालों की लंबाई के अनुसार अंडे का सफेद भाग लेकर इसमें नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण को स्कैल्प में लगाएं और हल्के हाथों से 8 से 10 मिनट तक मसाज करें। अंत में सिर को पानी से धो लें।

एलोवेरा और नींबू का मिश्रण भी है कारगर

एलोवरा और नींबू का मिश्रण एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल प्रभाव प्रदर्शित करता है, जिसकी मदद से डैंड्रफ से छुटकारा मिल सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एलोवेरा जेल और नींबू के रस की बराबर मात्रा मिलाएं, फिर इस मिश्रण को अपने सिर की जड़ों में लगाकर कुछ मिनट हल्के हाथों से मसाज करें। फिर 10 से 15 मिनट अपने सिर को माइल्ड शैंपू और पानी से धोकर साफ कर लें।

नींबू, दही और शहद के हेयर मास्क का करें इस्तेमाल

डैंड्रफ की समस्या से राहत पाने के लिए दही, नींबू के रस और शहद के हेयर मास्क को बनाकर लगाना लाभदायक हो सकता है। समस्या से राहत पाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक चम्मच नींबू का रस, दो चम्मच दही और एक चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को अच्छे से अपने पूरे सिर में लगाएं, फिर एक घंटे के बाद अपने सिर को धो लें।

मैट्रेस खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान

दिनभर की भागदौड़ और थकान के बाद अपने कमरे के बिस्तर पर अच्छी नींद से अच्छा और कुछ नहीं होता है, परन्तु ये तभी संभव है जब आपके बेड का गद्दा अच्छा हो।हो सकता है कि बहुतेरे लोगों की तरह आप भी आरामदायक नींद की बात को गंभीरता से न लें। हो सकता है कि आप के लिए भी अनिद्रा कोई छोटीमोटी ही बात हो। लेकिन ऐसा सोचना ठीक नहीं है।अनिद्रा के चार पैटर्न होते हैं, जिस में से एक बिस्तर का ठीक न होना भी है। हमारे स्लीपिंग पैटर्न से ही हमारे शरीर की बाकी कई चीजें निर्धारित होती हैं। स्लीपिंग पैटर्न सही करने के लिए सही मैट्रैस का चुनाव बेहद जरूरी है।यूं तो बाजार में बहुत तरह के मैट्रेस हैं पर उनमें से अपनी जरूरत के मुताबिक गद्दे को चुनना बहुत जरूरी है। आज हम आपको कुछ ऐसे आसान उपाए बताएँगे जिनकी मदद से आप अपने लिए बेहतर मैट्रेस का चुनाव कर सकते है।

सही मौडल चुनें–यह तो हम सभी जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए अच्छा मैट्रैस होना चाहिए। इसलिए बाजार में मैट्रैस खरीदने जा रहे हैं, तो मौडल के बारे में अच्छे से रिसर्च कर के ही जाएं। स्लेटेड बेड बेस मैट्रेस एक अच्छा ऑप्शन है खासतौर पर तब जब आपका मैट्रेस लैटेक्स या फोम है। ये मैट्रेस की वेंटिलेशन, आराम को बढ़ाता है। जो बुलटेक्स और स्प्रिंग मैट्रेस चाहते हैं उनके लिए बॉक्स स्प्रिंग मैट्रेस बिल्कुल बेहतरीन ऑप्शन है।

मैट्रेस का चुनाव डिजाइन और आराम पर निर्भर करता है

डिजाइन मैट्रेस के लिए बॉक्स स्प्रिंग मैट्रेस परफेक्ट विकल्प है। इस मैट्रेस को खुद या फिर इलेक्ट्रिक मोटर के जरिए एडजस्ट किया जा सकता है। ये लेदर, स्प्रिंग और स्लैट्स मॉडल में उपलब्ध है। ये मैट्रेस सोने वाले का 1/3 वजन लेता है। ये उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है जो कमर के दर्द से पीड़ित हैं।

मैट्रैस की क्वालिटी–मैट्रैस पर आराम मैट्रैस के बेस पर निर्भर करता है। इसलिए सुकून भरी नींद सोना चाहते हैं, तो सही बेस वाले मैट्रैस का चुनाव काफी जरूरी है। फोम व जूट के बेस वाले मैट्रैस ज्यादा चलन में हैं।

उत्तराखंड में शिक्षा और संस्कृति के नए युग की शुरुआत

सीएम धामी ने किया 'हैलो हल्द्वानी' रेडियो मोबाइल एप का लोकार्पण

देहरादून । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उत्तराखंड की शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल का अनावरण किया। उन्होंने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो हैलो हल्द्वानी 91.2 एफ.एम. के लिए विशेष रूप से विकसित मोबाइल एप का लोकार्पण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एप दूरस्थ क्षेत्रों तक शिक्षा और संस्कृति की पहुंच को और सशक्त करेगा, जिससे समाज की आवाज को एक नई पहचान मिलेगी।

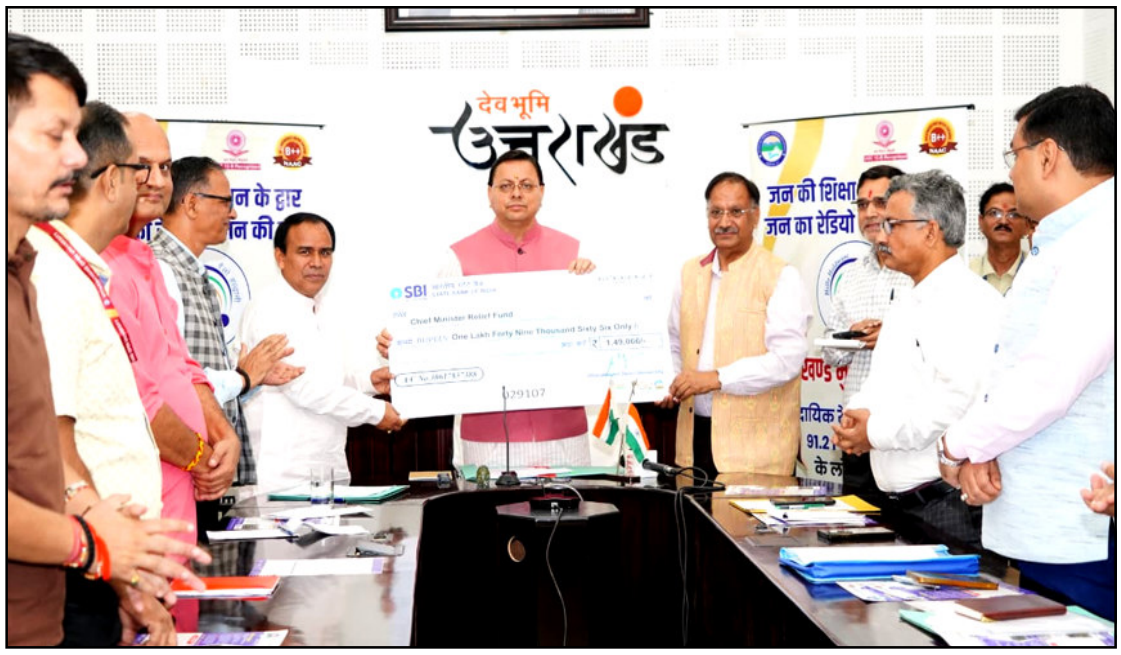

मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान ने शिक्षा को आमजन तक पहुँचाने और आधुनिक तकनीक को नवाचार में समाहित करने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 'हैलो हल्द्वानी' एप अब उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि देश के कोने-कोने तक पहुँचकर समाज की सांस्कृतिक समृद्धि को और भी मजबूत करेगा।

शिक्षा से आत्मनिर्भरता का नया मॉडल

मुख्यमंत्री ने शिक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि यह जीवन को दिशा देने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का आधार है। उन्होंने बताया कि इसी उद्देश्य से राज्य के सभी 13 जिलों में उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों से युवा न केवल शैक्षिक ज्ञान प्राप्त करेंगे, बल्कि रोजगारोन्मुखी कौशल भी सीखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब विश्वविद्यालय और कौशल विकास केंद्र मिलकर काम करेंगे, तो उत्तराखंड के युवा नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनेंगे। यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने में उत्तराखंड की अहम भूमिका सुनिश्चित करेगा।

देहरादून में बनेगा शिक्षा एवं शोध का प्रमुख केंद्र

मुख्यमंत्री धामी ने यह भी घोषणा की कि राज्य सरकार ने देहरादून में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का एक प्रमुख केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह केंद्र शिक्षा एवं प्रशिक्षण के साथ-साथ शोध, नवाचार और डिजिटल शिक्षा का भी एक महत्वपूर्ण हब बनेगा, जो राज्य के शैक्षणिक परिदृश्य को और भी समृद्ध करेगा। इस दौरान उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आपदा राहत के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में विश्वविद्यालय की ओर से ?1,49,000 का चेक भी मुख्यमंत्री को सौंपा।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत, कुलसचिव उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय श्री खेमराज भट्ट और विश्वविद्यालय के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवार देशभर में बाढ़ की त्रासदी झेल रहे परिवारों की मदद के लिए हाथ बढ़ाएं : जितेन्द्र रघुवंशी

हरिद्वार (हमारे संवाददाता) । अतिवृष्टि से आई भयंकर बाढ़ के कारण जम्मू कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, उत्तराखण्ड, दिल्ली, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, बिहार तथा असम सहित अधिकांश प्रान्तों की आबादी बाढ़ की त्रासदी झेल रही है, हरिद्वार भी इससे अछूता नहीं रहा है। इस बाढ़ ने अनेकों भाई-बहन तथा बच्चों को असमय ही हम सभी से छीन लिया है, लाखों परिवार बेघर हुए हैं, प्रकृति के इस प्रकोप से स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों के भाई बहन भी मर्माहत हुए हैं। आज हर महीने प्रथम रविवार दस बजे दस मिनट स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों शहीदों के नाम अभियान के अन्तर्गत देशभर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों में उपस्थित स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों के लिए अपने संदेश में स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी ने कहा कि इस भयावह त्रासदी से हर देशभक्त नागरिक दुखी हुआ है, सरकार तथा अन्य सामाजिक, धार्मिक संगठनों द्वारा अपने अपने स्तर पर राहत कार्य चलाए जा रहे हैं, इस संकट की घड़ी में स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों को भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार तन, मन और धन से जुटना चाहिए, इसके लिए 14 सितम्बर को स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में बुलाई गई है, जिसमें बाढ़ से वर्तमान में बनी देश की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पर गहन विचार विमर्श किया जाएगा और स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की ओर से स्थानीय प्रशासन से मिलकर सहयोग करने का संदेश दिया जाएगा।

इसके पूर्व हर महीने प्रथम रविवार दस बजे दस मिनट स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों शहीदों के नाम अभियान के अन्तर्गत देश के विभिन्न प्रान्तों में आज ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, स्मारकों, शहीद स्थलों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि समर्पित करने के साथ ही आजादी के दीवानों की जीवन गाथाएँ सुनाई गईं। इसी क्रम में हरिद्वार जिले में भी शहीद जगदीश वत्स पार्क निकट जटवाड़ा पुल ज्वालापुर, स्वतंत्रता सेनानी स्मृति स्तंभ, वटवृक्ष सुनहरा रुड़की, स्वतंत्रता सेनानी स्तंभ रुड़की, लक्सर बहादराबाद में भी प्रतिमाह की भांति कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहीद जगदीश वत्स पार्क ज्वालापुर में संगठन के मार्गदर्शक मंडल सदस्य वीरेन्द्र कुमार गहलौत ने ध्वजारोहण किया, शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा पर डॉ. वेद प्रकाश आर्य, अरुण पाठक तथा कैलाश वैष्णव द्वारा माल्यार्पण किया गया एवं सभी उपस्थित स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों, गणमान्य नागरिकों द्वारा पुष्पांजलियां समर्पित की गईं। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजसेवी अरुण पाठक ने स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति द्वारा देशभर में चलाए जा रहे इस अभियान को नई पीढ़ी को देशभक्ति से अनुप्राणित करने का सशक्त अभियान बतलाया और कहा कि संगठन की एकता का प्रभाव पूरे देश में दिखाई पड़ रहा है।

संगठन के संयुक्त सचिव अनुराग सिंह गौतम ने स्वतंत्रता सेनानी परिवारों से सम्बन्धित प्रशासनिक स्तर पर इस माह किए गए कार्यों की जानकारी दी और बताया कि नवरात्रि के बाद हरिद्वार जिले के स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों की भी बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रशासन स्तर पर लम्बित प्रकरणों की जानकारी लेकर स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के सभी कार्य कराए जाएंगे।

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री गेंदनलाल कटियार के सुपुत्र डॉ. वेद प्रकाश आर्य ने आज अपने पिता के जीवन से जुड़े हुए संस्मरणों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस तरह स्वतंत्रता आन्दोलन में उनके पिता ने कष्टसाध्य यातनाएं सहते हुए अग्रेजों द्वारा दी गईं यातनाएं सहीं लेकिन उन्होंने हमेशा खादी वस्त्र धोती कुर्ता और टोपी पहना, साथ ही साथ चरखा चलाकर सूत भी तैयार किया करते थे। श्री कैलाश वैष्णव ने कहा कि पितृपक्ष के प्रथम दिन ही हम अपने दिवंगत पूर्वजों को श्रद्धा सुमन समर्पित कर रहे हैं। अन्त में विभिन्न प्रान्तों में बाढ़ से दिवंगत हुई आत्माओं को श्रद्धांजलि समर्पित की गई तथा त्रासदी झेल रहे भाई बहनों को इस विभीषिका से लड़ने की सामर्थ्य प्रदान करने की प्रार्थना की गई। उधर स्वतंत्रता सेनानी स्मृति स्तंभ हरिद्वार में वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी मुरली मनोहर ने ध्वजारोहण किया और शहीद जगदीश वत्स की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

सीएम ने भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि दी

देहरादून ।, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को पूर्व राष्ट्रपति, महान इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन ने अपने जीवनकाल में शिक्षा के महत्व को सर्वोपरि रखा और समाज में नैतिक मूल्यों, ज्ञान और संस्कारों का प्रकाश फैलाया। उन्होंने कहा, डॉ. राधाकृष्णन का जीवन दर्शन हम सभी के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। उनका मानना था कि शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक चरित्रवान और जिम्मेदार नागरिक बनाने की प्रक्रिया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने देश भर के समस्त शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि वे राष्ट्र निर्माण के सबसे सशक्त स्तंभ हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि शिक्षकों के बिना किसी भी समाज की प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने कहा, शिक्षक हमारी आने वाली पीढ़ी को सही दिशा और भविष्य प्रदान करते हैं। वे हमारे बच्चों के जीवन में ज्ञान का दीप जलाकर उन्हें अज्ञानता के अंधकार से बाहर निकालते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार शिक्षकों के सम्मान और उनके उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी शिक्षकों से आग्रह किया कि वे डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों पर चलते हुए नई पीढ़ी के भविष्य को और उज्ज्वल बनाने में अपना योगदान दें।

स्वामी,मुद्रक व प्रकाशक अवनीश कुमार द्वारा भगवती प्रिंटर्स,इण्डस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार से छपवाकर ग्रा. बसवाखेड़ी पो. मंगलौर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड़) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः अवनीश कुमार, मो० 9410553400
ई-मेलः liveskgnews@gmail.com
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार न्यायालय में ही होगा)
सभी लेखों में सम्पादक की सहमति जरूरी नही है।